PGDDM

सत्रीय कार्य 2020

(जनवरी 2020 और जुलाई 2020 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी.जी.डी.डी.एम.)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110 068

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रिय छात्र/छात्राओ,

जैसा कि आपको आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका में बताया ही जा चुका है कि आपको चार क्रेडिट वाले प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य करने होंगे। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। आप यह देखेंगे कि सत्रीय कार्यों के प्रश्न विश्लेषणात्मक और वर्णनात्मक प्रकृति के हैं। इन्हें करने से आप अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को आपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। यह आवश्यक है कि आप सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

प्रस्तुतीकरण :

आपको सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा कराना होगा ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें।

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए.–001 एम.पी.ए.–002 एम.पी.ए.–003 एम.पी.ए.–004 एम.पी.ए.–005 एम.पी.ए.–006 एम.पी.ए.–007 एम.ई.डी.–004 (केवल उन्हीं विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने परियोजना कार्य के स्थान पर इस पाठ्यक्रम को लिया है।)	जनवरी 2020 सत्र के लिए 30 सितंबर 2020 जुलाई 2020 सत्र के लिए 31 मार्च 2021	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को

सत्रीय कार्य करने के निर्देष

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. उमा मेडूरी
प्रो. डौली मैथ्यू
(कार्यक्रम संयोजक)

एम.पी.ए.–001 : प्राकृतिक आपदाओं को समझना
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–001
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–001/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2020
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. प्राकृतिक आपदाओं की क्षेत्रीय तथा मौसमी रूपरेखा की चर्चा कीजिये। 10

2. भारत में केन्द्रीय स्तर पर आपदा प्रबंधन के संगठनात्मक ढ़ांचे की व्याख्या कीजिये। 10

3. 'बाढ़ की आषंका वाले राज्य में प्रभावी पूर्वानुमान, चेतावनी और मॉनीटरिंग आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं' टिप्पणी कीजिये। 10

4. चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन के लिये आप क्या उपाय सुझायेंगे। 10

5. सूखे के कारण और उसके प्रभावों की चर्चा कीजिये तथा आपदा प्रबंधन में गुजरात सरकार की भूमिका का विष्लेशण कीजिये। 10

भाग–II

6. भू–स्खलन के मुख्य कारण और प्रभाव क्या हैं? 10

7. हिम अवघाव के संदर्भ में भूतपूर्व आपदाओं के आधार पर सीखे गये पाठों की चर्चा कीजिये। 10

8. इटली में ज्वालामुखी उद्‌गार पर एक टिप्पणी लिखिये। 10

9. भौमिक पारितंत्र पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का वर्णन कीजिये। 10

10. समुद्र तल में वृद्धि के कारण उत्पन्न खतरों को कम करने के लिये अनुक्रिया नीतियों के महत्वपूर्ण पक्षों की व्याख्या कीजिये। 10

एम.पी.ए.–002 : मानव–निर्मित आपदाओं को समझना
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–002
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–002/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2020
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. तेल में आग लगने के कारणों और प्रभावों की चर्चा कीजिये। 10

2. मानव–निर्मित आपदाओं संबंधी अनुक्रिया पर एक टिप्पणी लिखिये? 10

3. भूतपूर्व रासायनिक आपदाओं के आधार पर सीखे गये प्रमुख पाठ क्या हैं? 10

4. 'तैयारी और अनुक्रिया दावानल प्रबंधन के मुख्य क्रम हैं।' टिप्पणी कीजिये। 10

5. लोगों को भवनों में आग लगने के प्रभाव से सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा और रोकथाम के उपाय सुझाइये। 10

भाग–II

6. पर्यावरण पर वायु प्रदूशण के प्रभावों को उजागर कीजिये। 10

7. जल के लक्षण और प्रदूशण पर एक टिप्पणी लिखिये। 10

8. रेल दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों की चर्चा कीजिये तथा पिछले अनुभवों और प्रथाओं से सीखे गये पाठों को उजागर कीजिये। 10

9. समुद्री दुर्घटनाओं के संदर्भ में आपदा प्रबंधन में षामिल अभिकरणों की भूमिका और उनकी संगठनात्मक संरचना की व्याख्या कीजिये। 10

10 औद्योगिक बहि–स्त्रावों के लिये उपचार विकल्पों का विश्लेशण कीजिये तथा उद्योग–विषिश्ट उपचार योजनायें सुझाइये। 10

एम.पी.ए.–003 : जोखिम आकलन और संवेदनशीलता विश्लेषण
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–003
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–003/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2020
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. सामाजीय जोखिम प्रबंधन की अवधारणा की चर्चा कीजिये। 10

2. जोखिम न्यूनीकरण की विभिन्न कार्यनीतियों पर एक टिप्पणी लिखिये। 10

3. जोखिम आकलन के दोश–तरू विष्लेशण (Fault Tree Analysis) तथा कारण–परिणाम विष्लेशण (Cause Consequence Analysis) की संक्षिप्त में व्याख्या कीजिये। 10

4. सहयोगात्मक जोखिम आकलन की विधियों की चर्चा कीजिये। 10

5. संवेदनशीलता विशलेशण के विभिन्न दृश्टिकोणों एवं मॉडलों को उजागर कीजिये। 10

भाग–II

6. संवेदनशीलता की प्रेक्षणात्मक और विश्लेशणात्मक रूपरेखा का परीक्षण कीजिये। 10

7. आपदा प्रबंधन के जेन्डर आधारित दृश्टिकोण की चर्चा कीजिये। 10

8. 'विकास परियोजनायें संवेदनशीलता को बढ़ा रही है।' टिप्पणी कीजिये। 10

9. आपदा प्रबंधन में सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग की चर्चा कीजिये। 10

10. संवेदनशीलता न्यूनीकरण के लिये विकास योजना के महत्व को उजागर कीजिये। 10

एम.पी.ए.–004 : आपदा तैयारी
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–004
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–004/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2020
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. आपदा न्यूनीकरण की अवधारणा तथा उसके दृश्टिकोणें की चर्चा कीजिये। 10

2. आपदा तैयारी के संदर्भ में योजना के महत्व का विष्लेशण कीजिये। 10

3. आपदाओं के समय पशुधन प्रबंधन के लिये आवश्यक उपायों को उजागर कीजिये। 10

4. समुदाय आधारित आपदा तैयारी की आवश्यकता और महत्व की चर्चा कीजिये। 10

5. सूचना संचार और प्रशिक्षण के घटकों एवं नीतियों पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिये। 10

भाग–II

6. मौसम–विज्ञान और जल–विज्ञान संबंधी आपदा तैयारी पर एक टिप्पणी लिखिये। 10

7. आपदा तैयारी को आपदा का मानचित्रण और भू–प्रयोग क्षेत्रण किस प्रकार सुविधाजनक बनाते है? 10

8. वायरलैस, रेडियो और हैम रेडियों पर एक टिप्पणी लिखिये। 10

9. सतत् विकास की अवधारणा की चर्चा कीजिये। 10

10. परस्पर संघर्श समाधान कार्यनीतियों का वर्णन कीजिये। 10

एम.पी.ए.–005 : आपदा प्रतिक्रिया
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–005
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–005/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2020
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. आपदा प्रतिक्रिया योजना में अन्य अभिकरणों की भूमिका की चर्चा कीजिये। 10

2 संचार के अर्थ का वर्णन कीजिये तथा उसकी विभिन्न तकनीकों का उल्लेख कीजिये। 10

3. आकलन की विभिन्न तकनीकों का विस्तृत वर्णन कीजिये। 10

4. आपदा प्रतिक्रिया में संभार–तंत्र प्रबंधन के मुख्य घटकों को उजागर कीजिये। 10

5. आपदा प्रतिक्रिया में गृह मंत्रालय की भूमिका को उल्लिखित कीजिये। 10

भाग–II

6. आपदा प्रतिक्रिया में नागरिक सुरक्षा और युवा संगठनों की भूमिका पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिये। 10

7. आपदा प्रबंधन में मानव व्यवहार को प्रभावित करने वाली अवधारणा तथा कारकों की चर्चा कीजिये। 10

8. संत्रस्त अथवा आतंक की अवधारणा तथा उसके प्रबंधन के विभिन्न उपायों की व्याख्या कीजिये। 10

9. जल आपूर्ति और स्वच्छता के न्यूनतम मानकों के विभिन्न घटकों की संक्षिप्त में चर्चा कीजिये। 10

10 पुनरुत्थान की प्रकृति की चर्चा कीजिये तथा अनुक्रिया और पुनरुत्थान के बीच अंतर स्पश्ट कीजिये। 10

एम.पी.ए.–006 : आपदा चिकित्सा
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–006
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–006/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2020
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. महामारी रोग–विज्ञान की प्रविधियों की व्याख्या कीजिये। 10

2 आपदाओं के दौरान स्वास्थ्य जोखिम की रोकथाम के लिये स्वच्छता और सफाई के घटकों का वर्णन कीजिये। 10

3. चिकित्सा तैयारी में अस्पताल पूर्व योजना की चर्चा कीजिये। 10

4 सामग्री प्रबंधन और सूची नियंत्रण पर एक टिप्पणी लिखिये। 10

5. दूर दराज के क्षेत्रों में चिकित्सा बुनियादी ढ़ाचे को उजागर कीजिये साथ ही, आपदा स्थितियों में इन क्षेत्रों की सुविधाओं और बाधाओं की व्याख्या कीजिये। 10

भाग–II

6. 'आपदा स्थल प्रबंधन आपदा स्थल पर हताहतों और घायलों का प्रबंधन हैं।' विस्तृत वर्णन कीजिये। 10

7. चिकित्सालीय आपात प्रबंधन पर एक टिप्पणी लिखिये। 10

8. आपदाओं की स्थिति में चिकित्सा और स्वास्थ्य अनुक्रिया में भूगोलीय सूचना प्रणाली और रिमोट सेंन्सिंग की भूमिका का संक्षिप्त में परीक्षण कीजिये। 10

9. 'आगे की सेवाओ'/कार्रवाइयों से जुड़े कार्यकलाप तनाव के लक्षणों को कम करते हैं तथा आपदा उपरान्त पुनः समायोजन को बढ़ावा देते हैं।' चर्चा कीजिये। 10

10. आगजनी के समय मिकित्सा और स्वास्थ्य अनुक्रिया की व्याख्या कीजिये। 10

एम.पी.ए.–007 : पुर्नवास, पुनर्निर्माण और पुनरुत्थान
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–007
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–007/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2020
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. 'पुनर्वास राहत और विकास के बीच एक सेतु का कार्य करता है।' टिप्पणी कीजिये। 10

2. क्षति आकलन में प्रतिदर्श सर्वेक्षण की भूमिका का विष्लेशण कीजिये। 10

3. आपदा प्रबंधन में समुदाय और गैर–सरकारी संगठनों की संक्षिप्त में चर्चा कीजिये। 10

4. सतत् समुदायिक विकास की अवधारणा की चर्चा कीजिये। 10

5. आजीविका की अवधारणा, महत्व और चुनौतियों की व्याख्या कीजिये। 10

भाग–II

6 भारत में पुनर्निमाण के लिये निधीयन व्यवस्थाओं पर संक्षिप्त में एक टिप्पणी लिखिये। 10

7 आपदा–रोधी निर्माण की परम्परागत तकनीकों की चर्चा कीजिये। 10

8. आपदा प्रबंधन में शिक्षा, प्रशिक्षण और जागरूकता की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिये। 10

9. पर्यवेक्षण एवं मूल्यांकन के मार्गदर्शी सिद्धांतों की चर्चा कीजिये। 10

10 दीर्घकालीन समुदाय–आधारित प्रति आपदा नियोजन के लक्ष्यों का विस्तृत वर्णन कीजिये। 10

एम.ई.डी.–004 : सहभागी प्रबंधन की ओर
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी.–004
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.डी.–004/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2020
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग– I और भाग– II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल मिलाकर पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 400 शब्दों प्रत्येक में देने हैं। यह आवश्यक है कि कम से कम 2 प्रश्न प्रत्येक भाग में से होने चाहिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन तथा क्षेत्रीय कार्य में उपयोग किये जाने वाले सहभागिता ग्रामीण मूल्यांकन के उपकरणों तथा तकनीकों पर एक टिप्पणी लिखिये। साथ ही, उसकी कुछ बाधाओं को उजागर कीजिये। 10
2. 'पाकिस्तान राष्ट्रीय संरक्षण कार्यनीति देश में पर्यावर्णीय सतत् विकास का लक्ष्य प्राप्त करना चाहती है।' चर्चा कीजिये।' 10
3. 'सशक्तिकरण प्रक्रिया में सहभागिता विधियों की संक्षिप्त में व्याख्या कीजिये। 10
4. शिक्षण में विपर्ययता (Reversals in Learing) की चर्चा कीजिये। 10
5. संगठनात्मक संस्कृति में नेतृत्व और नवीनीकरण की भूमिका का वर्णन कीजिये। 10

भाग–II

6. 'संस्थानों को विकास की साम्यिकता को सही मायने में सुनिष्चित करने के लिए स्वयं के कार्य में जेन्डर भागिदारी को मुख्यधारा में लाना चाहिये।' विस्तृत वर्णन कीजिए। 10
7. ओरंगी पायलट प्रोजेक्ट के प्रमुख कार्यक्रम क्या है? 10
8. ' युवाओं के कल्याण के लिये, सामाजिक विकास अनुसंधान कार्यक्रम ने एक अवधारणात्मक ढ़ांचा विकसित किया है। ' विस्तृत वर्णन कीजिए। 10
9. दक्षिण एशिया में सहभागिता प्रबंधन के माडॅलों का वर्णन कीजिये। 10
10. भारत में सहभागिता सिंचाई प्रबंधन की चर्चा कीजिये। 10